

197-19

52 पर
लाए

श्री मधुसूदन

अरुण शर्मा

अरुण शर्मा

वादी गण मयवकील सुपाद्वैले होकर प्राथम्य
 पेशाकर को कोर्ट में अदालत की भावना से
 विद्रा करने हेतु निवेदन किया है इस पर
 फरमावली ललब की जाकर फरमावली का सम्बन्ध
 कर वादी गणों को सुना गया वादी गणों द्वारा वद
 प्र. प्राथम्य विद्रा करने पर सद्वत होने पर कि
 प्राथम्य स्वीकार करवा दे रकोइन विप्रायाका
 फरमावली केवल सुमार होकर इन नम्बर से
 कर है जो देश खुले न्यायालय में सुनया
 गया। (५) इत्यमेव जयते

Identi
 11/11/19

सुपखण्ड अधिकारी
 साँभर ले

Web Copy - Not Official